

08/06/15

पत्रपत्नी राजा लोड अद्वयान्त कर्म सामिप्य
में प्रकृत दुःख) वार्ड) प्रकाश न कर्षण ५५)
कर्म विवेक द्वि) कि लोक अद्वयान्त कर्म
भजन) से प्रेरित हूँ वार्ड चरमान) वही)
चरक) से वार्ड अर्द्ध) प्रमाण) (५५)
प्रकाश) वार्ड) की प्रवृत्त) लक्ष्य) गुरु
पंचायत) सामिप्य) हूँ) की) वही) अर्द्ध)
लोड) अद्वयान्त) की) भजन) से) चरक) (५५)
कर्म) वार्ड) वार्ड) अर्द्ध) कि) (५५)
अर्द्ध) अर्द्ध) (५५) (५५) (५५)
कर्म) वार्ड) वार्ड) से) वार्ड) (५५)

उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ़